राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

प्रेस–विज्ञप्ति

संख्या–73/2024

राजभवन में ओडिशा दिवस का आयोजन किया गया

पटना, 08 अप्रैल, 2024 :– माननीय राज्यपाल श्री राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने राजभवन, बिहार के दरबार हॉल में 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के तहत आयोजित ओडिशा राज्य के स्थापना दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि ओडिशा की परम्परा और संस्कृति अत्यन्त समृद्ध है। उन्होंने ओडिशा की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत के हरेक भाग का विशिष्ट इतिहास है। राज्यपाल ने कहा कि हमारे और उत्कल प्रदेश के लिए यह गर्व की बात है कि वहाँ की आदिवासी समुदाय से आनेवाली एक महिला देश के सर्वोच्च पद पर विराजमान हैं।

उन्होंने कहा कि हमारी भाषा, वेश–भूषा, रहन–सहन, खान–पान इत्यादि भले ही भिन्न हैं, लेकिन सांस्कृतिक और भावनात्मक रूप से हम सभी एक हैं और हमारा देश एक है। हमारी एकता का विचार हमारे हृदय में है। पूरा भारत एक है और हमें इस एकता को बनाए रखने की आवश्यकता है। हम सभी भारतमाता की संतान हैं और एक–दूसरे के भाई–बहन हैं। यही कारण है कि भारत के किसी एक राज्य के लोगों को तकलीफ होने अथवा उनपर विपत्ति आने पर दूसरे दूरस्थ राज्यों के लोगों को पीड़ा होती है। हमें एकता के इस भाव को अधोरेखित करने की आवश्यकता है। हमारी संस्कृति एवं विचारों की परम्पराएँ एवं भावनाएँ एक है। जब भारत एक होता है, तब श्रेष्ठ होता है।

राज्यपाल ने कहा कि भारत के सभी राज्यों में अन्य प्रदेशों के लोग रहते हैं और धीरे–धीरे वहाँ की संस्कृति के साथ तादात्म्य स्थापित कर लेते हैं। बिहार काफी अच्छा है और यहाँ आने पर ही इसका पता चलता है। दूसरे राज्यों से यहाँ आकर लोग यहीं की भाषा, बोली और संस्कृति को अपना लेते हैं तथा वे अपने को बिहारी मानकर यहाँ के लोगों के लिए काम करते हैं। यही हमारी एकता और श्रेष्ठता का भाव है जिसे उजागर करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि शंकराचार्य का देश के विभिन्न भागों में जाना एकता के भाव को दर्शाता है।

राज्यपाल ने इस अवसर पर भारतमाता के चित्र पर माल्यार्पण किया। कार्यक्रम को एम्स, पटना के कार्यकारी निदेशक डॉ० जी०के० पाल तथा श्रीमती ए० रणसिंह साहू, पुलिस उप महानिरीक्षक–सह–उप निदेशक, सिविल डिफेंस, बिहार, पटना ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री रॉबर्ट एल० चोंग्थू, विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतिगण, बिहार में रहकर पढ़ाई करनेवाले ओडिशा के छात्र–छात्राएँ तथा राज्यपाल सचिवालय के पदाधिकारीगण एवं कर्मीगण उपस्थित थे।

.....